[This question paper contains 8 printed pages.]

10

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4486 C

Unique Paper Code : 12131301

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Drama)

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit – Core**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **All** questions,

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : (3×4=12)

Translate the following :

(क) कस्यार्थः कलशेन को मृगयते वासो यथानिश्चितं
दीक्षां पारितवान् किमिच्छति पुनर्देयं गुरोर्यद् भवेत्।
आत्मानुग्रहमिच्छतीह नृपजा धर्माभिरामप्रिया,
यद्यस्यास्ति समीप्सितं वदतु तत् कस्याद्य किं दीयताम् ॥

**अथवा / OR**

किं वक्ष्यतीति हृदयं परिशङ्कितं मे
कन्या मयाप्यपहृता न च रक्षिता सा।
भाग्यैश्चलैर्महदवाप्तगुणोपघातः
पुत्रः पितुर्जनितरोष इवास्मि भीतः ॥

(ख) तीव्राघातप्रतिहततरुः स्कन्धरलग्नैकदन्तः
पादाकृष्टव्रततिवलयासङ्गसंजातपाशः ।
मूर्तौ विघ्नस्तपस इव नो भिन्नसारङ्गयूथो
धर्मारण्यं प्रविशति गजः स्यन्दनालोकभीतः ॥

**अथवा / OR**

अभिजनवतो भर्तुः श्लाघ्ये स्थिता गृहिणीपदे
विभवगुरुभिः कृत्यैस्तस्य प्रतिक्षणमाकुला ।
तनयमचिरात् प्राचीवार्कं प्रसूय च पावनं
मम विरहजां न त्वं वत्से ! शुचं गणयिष्यसि ॥

(ग) अप्राज्ञेन च कातरेण च गुणः स्याद्भक्तियुक्तेन कः
प्रज्ञाविक्रमशालिनोऽपि हि भवेत्किं भक्तिहीनात्फलम् ।
प्रज्ञाविक्रमभक्तयः समुदिताः येषां गुणा भूतये
ते भृत्या नृपतेः कलत्रमितरे संपत्सु चापत्सु च ॥

**अथवा / OR**

कर्णेनेव विषाङ्गनैकपुरुषव्यापादिनी रक्षिता
हन्तुं शक्तिरिवार्जुनं बलवती या चन्द्रगुप्तं मया ।
सा विष्णोरिव विष्णुगुप्तहतकस्यात्यन्तिकश्रेयसे
हैडिम्बेयमिवैत्य पर्वतनृपं तद्वध्यमेवावधीत् ॥

P.T.O.

2. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (3×6=18)

Explain the following with reference to context :

(क) पूर्वं त्वयाप्यभिमतं गतमेवमासी-
च्छ्लाघ्यं गमिष्यसि पुनर्विजयेन भर्तुः ।
कालक्रमेण जगतः परिवर्तमाना
चक्रारपंक्तिरिव गच्छति भाग्यपंक्तिः ॥

**अथवा / OR**

कः कं शक्तो रक्षितुं मृत्युकाले
रज्जुच्छेदे के घटं धारयन्ति ।
एवं लोकस्तुल्यधर्मो वनानां
काले-काले छिद्यते रुह्यते च ॥

(ख) यदालोके सूक्ष्मं व्रजति सहसा तद्विपुलतां
यदर्धे विच्छिन्नं भवति कृतसंधानमिव तत् ।
प्रकृत्या यद्वक्रं तदपि समरेखं नयनयो-
र्न मे दूरे किंचित्क्षणमपि न पार्श्वे रथजवात् ॥

**अथवा / OR**

यस्य त्वया व्रणविरोपणमिङ्गुदीनां
तैलं न्यषिच्यत मुखे कुशसूचिविद्धे ।
श्यामाकमुष्टिपरिवर्धितको जहाति
सोऽयं न पुत्रकृतकः पदवीं मृगस्ते ॥

(ग) कन्या तस्य वधाय या विषमयी गूढं प्रयुक्ता मया
दैवात्पर्वतकस्तया स निहतो यस्तस्य राज्यार्द्धहत् ।
ये शस्त्रेषु रसेषु च प्रणिहितास्तैरेव ते घातिता
मौर्यस्यैव फलन्ति पश्य विविधश्रेयांसि मन्नीतयः ॥

**अथवा / OR**

ये याताः किमपि प्रधार्य हृदये पूर्वं गता एव ते
ये तिष्ठन्ति भवन्तु तेऽपि गमने कामं प्रकामोद्यमाः ।
एका केवलमेव साधनविधौ सेनाशतेभ्योऽधिका
नन्दोन्मूलनदृष्टवीर्यमहिमा बुद्धिस्तु मा गान्मम ॥

3. निम्नलिखित में से किसी एक की संस्कृत में व्याख्या कीजिए : (1×7=7)

Explain any **one** of the following in Sanskrit :

चीयते बालिशस्यापि सत्क्षेत्रपतिता कृषिः ।
न शालेः स्तम्बकरिता वप्तुर्गुणमपेक्षते ॥

**अथवा / OR**

गच्छति पुरः शरीरं धावति पश्चादसंस्तुतं चेतः ।
चीनांशुकमिव केतोः प्रतिवात नीयमानस्य ॥

**अथवा / OR**

कातरा येऽप्यशक्ता वा नोत्साहस्तेषु जायते ।
प्रायेण हि नरेन्द्रश्रीः सोत्साहैरेव भुज्यते ॥

4. प्रश्न संख्या प्रथम के रेखांकित पदों से किन्हीं **चार** पर व्याकरणात्मक टिप्पणी कीजिए :- (2×4=8)

Write grammatical notes on any **four** of the underlined word from the question number one.

5. राक्षस के द्वारा चन्द्रगुप्त को मारने के लिए प्रयुक्त विविध उपायों का वर्णन कीजिए । (1×15=15)

Describe the various plans that were executed by Raksasa in is attempts to kill Chandragupta.

अथवा / OR

'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक के नामकरण पर प्रकाश डालते हुए ब्रह्मचारी के आगमन का महत्त्व समझाइए।

Throw the light on the nomenclature of the drama 'Svapnavasavadattam' and explain the importance of arrival of Brahmachari.

अथवा / OR

अभिज्ञानशाकुन्तलम् के चतुर्थ अंक का महत्त्व बताइए।

Bring out the importance of the fourth act of 'Abhijnanasakuntalam'.

6. संस्कृत नाटकों के स्वरूप का वर्णन कीजिए। (1×15=15)

Discuss the nature of Sanskrit drama.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **two** of the following :

भवभूति, भास, कालिदास; शूद्रक

(15)

[This question paper contains 6 printed pages.]

**Your Roll No.....**

**Sr. No. of Question Paper : 4507** **C**

Unique Paper Code : 12131302

Name of the Paper : Poetics and Literary Criticism

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **All** questions.

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. काव्यशास्त्र के विभिन्न नामों का परिचय लिखिए। (10)

Write an introduction to the different nomenclatures of poetics.

**OR / अथवा**

आचार्य मम्मट के अनुसार काव्य-हेतु की समीक्षा कीजिए।

Critically examine the cause of Kavya (काव्य-हेतु) according to Acharya Mammata.

2. काव्यप्रकाश में निरूपित काव्य-लक्षण की समीक्षा कीजिए। (10)

Critically examine the definition of Kavya (काव्य-लक्षण) as described in Kavyaprakash.

**OR / अथवा**

रूपक को परिभाषित करते हुए उसके भेदों पर प्रकाश डालिए।

Define Rupaka and describe the its types.

3. विश्वनाथ के अनुसार गद्यकाव्य का लक्षण लिखिए और उसके भेदों पर प्रकाश डालिए। (10)

Write the definition of Prose and throw light on the types of Prose according to Vishvanath.

**OR / अथवा**

महाकाव्य और खण्डकाव्य का परिचय दीजिए।

Write an introduction to Mahakavya and Khandakavya.

4. मम्मट के अनुसार शब्दशक्ति के रूप में लक्षणा की समीक्षा कीजिए। (8)

Critically examine the Lakshana Shabdshakti according to Mammata.

**OR / अथवा**

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **two** of the following :

(i) काव्य-भेद

(ii) तात्पर्यार्थ

(iii) कान्तासम्मित उपदेश

(iv) व्यंजना

P.T.O.

5. भरत के रससूत्र की अनुमितिवाद-व्याख्या का मूल्यांकन कीजिए। (11)

Evaluate the explanation of Anumitivada on Bharata's Rasasutra.

**OR / अथवा**

रस की अलौकिकता की व्याख्या कीजिए।

Explain the transcendental Nature (Alaukikata) of Rasa.

6. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अलंकारों का उदाहरण सहित लक्षण लिखिए जिनमें से **एक संस्कृत** में हो - (5×2=10)

Write the Definition of any **two** of the following figures of speech ~~with~~ example; out of which **one** must be in **Sanskrit** –

श्लेष, उपमा, रूपक, व्यतिरिक, अतिशयोक्ति

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यों में अलंकार का लक्षण घटित करते हुए नाम-निर्देश कीजिए- (3×2=6)

Explain and name the figures of speech used in any **two** of the following verses –

(i) सुभगसलिलावगाहा: पाटलसंसर्गसुरभिवनवाता: ।
प्रच्छायसुलभनिद्रा: दिवसा: परिणामरमणीया: ।।

(ii) लिम्पतीव तमोऽङ्गानि वर्षतीवाञ्जनं नभः।
असत्पुरुषसेवेव दृष्टिर्विफलतां गता ।।

(iii) मुक्तेषु रश्मिषु निरायतपूर्वकाया
निष्कम्पचामरशिखा निभृतोध्वकर्णाः ।
आत्मोद्धतैरपि रजोभिरलङ्घनीया
धावन्त्यमी मृगजवाक्षमयेव रथ्याः ।।

(iv) तपति तनुगात्राणि मदनस्त्वामनिश मां
पुनर्दहत्येव
ग्लपयति यथा शशांकं न तथा हि कुमुद्वतीं
दिवसः ।।

7. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो छंदों का लक्षण एवं गणनिर्देश पूर्वक उदाहरण दीजिए - (3×2=6)

Define and illustrate any **two** of the following Meters –

आर्या, द्रुतविलम्बित, शिखरिणी, उपेन्द्रवज्रा

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में गणनिर्देश करते हुए छन्द का नाम बताइए - (2×2=4)

Scan and name the meter in any **two** of the followings –

(i) कृष्णसारे ददच्चक्षुस्त्वयि चाधिज्यकार्मुके ।
मृगानुसारिणं साक्षात्पश्यामीव पिनाकिनम् ।।

(ii) अन्तर्हिते शशिनि सैव कुमुद्वती मे
दृष्टिं न नन्दयति संस्मरणीय शोभा
इष्टप्रवासजनितान्यबलाजनस्य
दुःखानि नूनमतिमात्रसुदुःसहानि ।।

(iii) नीवाराः शुकगर्भकोटरमुखभ्रष्टास्तरूणामधः
प्रस्निग्धाः क्वचिदिङ्गुदीफलभिदः सूच्यन्त
एवोपलाः ।
विश्वासोपगमादभिन्नगतयः शब्दं सहन्ते मृगाः
स्तोयाधारपथाश्च
वल्कलशिखानिष्यन्दरेखाङ्किताः ।।

(iv) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं
मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति ।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी
किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम् ।।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

**Sr. No. of Question Paper : 4085** **C**

Unique Paper Code : 12131502

Name of the Paper : Sanskrit Grammar

Name of the Course : **B.A. (H)**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

## भाग क / Section A

1. निम्नलिखित किन्हीं **चार** वर्णों के उच्चारण स्थान तथा आभ्यन्तर प्रयत्न लिखिए : (4×2=8)

Write the स्थान and आभ्यन्तर of any **four** words of the following :

ओ, ङ्, छ्, र्, द्, भ्, च्, ड्

2 निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** संज्ञाओं की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए : (2×3=6)

Explain with examples any **two** technical terms of the following :

दीर्घः, अनुदात्तः, संहिता, पदम्, इत्

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए : (4×1=4)

Write the letters of any **four** of the प्रत्याहार

अण्, एच्, खर्, भष्, खर्, हश्, झश्

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पदों का सूत्र निर्देश पूर्वक संधि-विच्छेद कीजिए : (5×2=10)

Disjoin Sandhis in any **five** of the following quoting relevant sutras :

धात्त्रंशः, हरये, गङ्गोदकम्, सच्चित्, तन्मात्रम्, पुरुषो हसति, हरी रम्यः

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की व्याख्या कीजिए : (4×2=8)

Explain and illustrate any **two** of the following :

मुखनासिकावचनोऽनुनांसिकः, हलोऽनन्तराः संयोगः, अकः सवर्णे दीर्घः, वृद्धिरेचि, शात्

## भाग ख / Section B

6. अन्विति 1 से तीन तथा अन्विति 2 से दो पदों को चुनकर कुल पांच पदों में सूत्रोल्लेखपूर्वक समास सिद्धि कीजिए : (5×3=15)

Choosing Three compounds from Unit 1 and two compounds from Unit 2, explain total five formations with relevant sutras with their names :

### अन्विति 1

सुमद्रम्, पञ्चगङ्गम्, द्विजार्थः, राजपुरुषः, अब्राह्मणः

### अन्विति 2

पीताम्बरः, धवखदिरौ, ईशकृष्णौ, पितरौ

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की व्याख्या कीजिए : (4×2=8)

Explain and illustrate any **two** of the following sutras :

समर्थः पदविधिः, अव्ययीभावे चाऽकाले, तृतीया तत्कृतार्थेन गुणवचनेन, नलोपो नञः, अल्पाच्तरम्

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पदों में प्रकृति-प्रत्यय स्पष्ट कीजिए : (5×2=10)

Justify प्रकृति-प्रत्यय in any **five** compounds of the following :

औपगवः, दाक्षिः, काकम्, दिश्यम्, कण्ठ्यम्, अङ्गुलीयम्, अश्ममयम्, गोत्वम्, दण्डी

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रकृति-प्रत्ययों को संयुक्त करते हुए पद-निर्माण कीजिए : (2×3=6)

Among the following प्रकृति-प्रत्यय, combine any three of them to form the respective compounds :

**शिक्षा + वुन्, दन्त + यत्, गो + मतुप्, जड + ष्यञ्, दण्ड + ठन्, पण्डा + इतच्**

[This question paper contains 4 printed pages.]

**Your Roll No.....**

**Sr. No. of Question Paper : 4201** **C**

Unique Paper Code : 12137903

Name of the Paper : Theatre & Dramaturgy

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit DSE**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

1. नाट्यमण्डप क्या है? इसके प्रकारों की विवेचना कीजिए । (12)

What is theatre (Natyamandapa)? Describe it's types.

**अथवा / OR**

अभिनय के प्रयोक्ता-गण को विस्तार पूर्वक बताएँ ।

Describe the characters of acting (abhinaya) in detail.

2. रसनिष्पत्ति की विविध सामग्री की विवेचना कीजिए । (12)

Describe the different constituents of Rasanishpatti.

**अथवा / OR**

नाट्यमण्डप के भेद-प्रभेद को स्पष्ट कीजिए ।

Describe the various types of theatre.

3. भावनात्मक चित्त की विविध अवस्थाओं का निरुपण कीजिए। (12)

Describe various levels of motive mantel states.

**अथवा / OR**

कथावस्तु का स्वरूप एवं उसके भेद बताएँ।

Discuss the nature and types of subject-matter (kathavstu).

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणी लिखिए : (5×5=25)

Write short notes on any **five** of following :–

(क) भूमिचयन (Selection of Land)

(ख) भित्तिकर्म (Wall work)

(ग) काव्यास्वाद के स्तर (Levels of poetic pleasure)

(घ) दृश्य काव्य (Drishya Kavya)

(ङ) ब्राह्मण स्तम्भ (Brahmana Pillar)

(च) वाचिक अभिनय (Verbal Acting)

5. किन्हीं **दो** को परिभाषित कीजिए : (7)

Define any **two** of the following :

(i) नान्दी (Nandi)

(ii) अनुभाव (Consequent)

(iii) अंकावतार (Ankavatara)

6. किसी **एक** पर **संस्कृत** में टिप्पणी कीजिए : (7)

Write a short note on any **one** of the following in Sanskrit language :

(i) पताका स्थानक (Pataka-sthanaka)

(ii) विदूषक (Jester)

[This question paper contains 4 printed pages.]

**Your Roll No.....**

**Sr. No. of Question Paper : 4337** **C**

Unique Paper Code : 12137905

Name of the Paper : Sanskrit Linguistics

Name of the Course : **B.A. (Hon.) DSE, LOCF**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. भाषाविज्ञान के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए । (8)

Explain the nature of language the linguistics.

**अथवा / Or**

भाषाविज्ञान के प्रमुख अङ्गों का विवेचन कीजिए ।

Discuss the main components of linguistics.

2. भाषा का स्वरूप स्पष्ट कीजिए । (8)

Explain the nature of language.

**अथवा / Or**

भाषा की विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।

Discuss the characteristics of the language.

3. भारोपीय भाषापरिवार की शाखाओं का परिचय दीजिए । (12)

Describe the branches of Indo- European family of language.

अथवा / Or

मूल भारोपीय भाषा से संस्कृत के विकास पर प्रकाश डालिए।

Highlight the development of Sanskrit from Proto Indo-European language.

4. संस्कृत की दृष्टि से ध्वनिविज्ञान का परिचय दीजिए। (12)

Give an introduction of phonetics of Sanskrit.

अथवा / Or

संस्कृत की दृष्टि से वाक्यविज्ञान की विवेचना कीजिए।

Discuss syntax from Sanskrit's point of view.

5. तुलनात्मक भाषाविज्ञान के इतिहास में संस्कृत के योगदान पर प्रकाश डालिए। (12)

Throw light on the contribution of Sanskrit in the history of Comparative linguistics.

अथवा / Or

आधुनिक भाषाविज्ञान में संस्कृत के महत्त्व पर एक लघु निबन्ध लिखिए।

Write a short essay on the importance of Sanskrit in the modern linguistics.

6. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (8 + 8 + 7 = 23)

Write short notes on the following :

(क) भाषाविज्ञान की उपयोगिता

Utility of linguistics

**अथवा / Or**

अल्पप्राण – महाप्राण

Lenis and Fortis

(ख) अर्थविज्ञान

Semantics

**अथवा / Or**

रूपपरिवर्तन के कारण

Causes of morphological changes

(ग) मूल भारोपीय भाषा

Proto-Indo-European language

**अथवा / Or**

ध्वनिपरिवर्तन के कारण

Causes of phonetic changes

(500)

B.A (H) Sanskrit III/V sem Dec 2022 I, III & V sem